JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन"

रीनू पाल
शोध छात्रा
शिक्षाशास्त्र, एस0एस0पी0जी0 कॉलेज, शाहजहाँपुर, बरेली

डॉ0 मीना शर्मा
प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, एस0एस0पी0जी0 कॉलेज, शाहजहाँपुर, बरेली

सार—यह शोध पत्र शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता के आँकड़ों पर आधारित है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम वास्तव में एक व्यवसायिक कार्यक्रम प्रणाली है जो यह प्रमाणित करता है कि इस कार्यक्रम को पूरा करने के पश्चात प्रशिक्षु एक शिक्षक बनने योग्य हो गया है। अतः इस कार्यक्रम में कार्य कर रहे शिक्षक प्रशिक्षकों में शिक्षण दक्षता का होना अति आवश्यक है क्योंकि शिक्षण दक्षता ही वह कला है जो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाती है। यदि शिक्षक प्रशिक्षकों में उचित दक्षता का अभाव होगा तो इसका प्रभाव दोनों प्रकार के अनुदानिनत एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में पड़ेगा और उन प्रशिक्षुओं पर भी अवश्य पड़ेगा जो प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित है। अतः अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों में शिक्षण दक्षता का होना अति आवश्यक है तभी वह भावी शिक्षकों का निर्माण कर सकेगें।

कीवर्ड—शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षक, शिक्षण दक्षता

प्रस्तावना—शिक्षक वह ध्रुव है जिसके आस—पास समस्त शैक्षिक कार्यक्रम घूमता है। यदि शिक्षक में अन्दर विशिष्ट क्षमताओं एवं योग्यताओं का संकलन नहीं होगा तो वह अपने इस कार्यक्रम में सफल नहीं होगा। शिक्षण की इस जटिल प्रक्रिया में सफलता के लिये यह आवश्यक है कि शिक्षक अपने शिक्षण कार्य में दक्षता रखता हो।

शिक्षण दक्षता से तात्पर्य उस कुशलता से है जो शिक्षण कार्य प्रभावपूर्ण ढंग से करने की योग्यता प्रदान करती है। अध्ययन—अध्यापन के कार्य को बेहतर और प्रभावपूर्ण बनाने के लिये आवश्यक है कि शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं को उचित समाधान किया जाये। शिक्षा की समस्याओं के समाधान के लिये मात्र पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता ही शैक्षिक समस्यओं का समाधान नहीं हे। इसके साथ—साथ वह शिक्षक शिक्षण कला में निपुण कार्यकुशल अच्छे ज्ञान वाले नवीन दृष्टिकोण वाले हो यह भी अति

आवश्यक है। शिक्षकों में शिक्षण कार्य कुशलता एवं प्रभाविकता उत्पन्न करने के लिये शिक्षण प्रशिक्षण के समय से ही व्यवस्थित रूप से दक्षता आधारित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम संचालित किये जाने चाहिये। दक्षता अपने आप में एक व्यापक सम्प्रत्यय है। जिसके कई कार्य क्षेत्र दिखायी पड़ते है। जैसे एक शिक्षक में कक्षा शिक्षण सम्बन्धी दक्षता, प्रबन्धन सम्बन्धी दक्षता सामाजिक दक्षता, पाठ्यक्रम सम्बन्धी दक्षता, अभिप्रेरणा सम्बन्धी दक्षता होनी चाहिए।

अध्ययन की आवश्यकता–शोध कार्य आरम्भ करने से पूर्व शोधकत्री द्वारा विभिन्न सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन किया गया है। सामान्य रूप से शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता तथा शिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षुओं को भावी शिक्षकों के रूप में परिवर्तित करने की एक प्रभावशाली प्रक्रिया है जिससे यह भावी शिक्षक नयी पीढ़ी को शिक्षित करने उन्हें अच्छा व उत्पादक नागरिक बना सके। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी शिक्षकों में शिक्षण के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति व दक्षता उत्पन्न करना है। भावी शिक्षकों के विकास उन्नति तथा सफलता का उत्तरदायित्व शिक्षक प्रशिक्षकों पर ही निर्भर होता है। अतः हम कह सकते है कि अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों में शिक्षण के प्रति दक्षता होना आवश्यक है।

समस्या कथन–''अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनातमक अध्ययन।''

अध्ययन के उद्देश्य–

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना–

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन–

सिंह, जय प्रकाश (2013) ने उत्तर प्रदेश के गैर अनुदानित महाविद्यालयों में कार्य कर रहे अध्यापकों की कार्य संतुष्टि एवं शिक्षण दक्षता में सम्बन्ध का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष स्वरूप यह प्राप्त किया कि अध्यापकों की कार्य संतुष्टि एवं शिक्षण दक्षता में सकारात्मक सम्बन्ध पाया गया।

अहमद (2015) ने बी0एड0 महाविद्यालयों के भावी शिक्षकों में शिक्षण प्रशिक्षण के प्रति दृष्टिकोण पर एक अध्ययन किया और पाया कि शिक्षकों में शिक्षक प्रशिक्षण के प्रति दृष्टिकोणों में सार्थक अन्तर पाया गया।

वर्मा एवं आदिल (2018) ने शिक्षकों में व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता का सहसम्बन्धातमक अध्ययन'' किया निष्कर्ष स्वरूप यह पाया गया कि व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता के मध्य सकारात्मक सह सम्बन्ध पाया गया।

त्रिपाठी एवं खरे (2018) ने विद्यालयों में शिक्षकों की शिक्षण सक्षमता एसवं प्रासंगिक दक्षताओं का अध्ययन में सार में पाया कि भावनात्मक क्षेत्र की प्रासंगिक दक्षताओं के प्राप्तांकों के मध्यमानों पर शिक्षण अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध अभिकल्प

शोध विधि–शोध की प्रकृति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये वर्णनात्मक शोध प्रविधि की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या–विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन जनसंख्या के रूप में किया गया है।

न्यादर्श–कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है तथा चयन की प्रक्रिया आनुपातिक विधि के द्वारा पूरी की गयी है और अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों से न्यादर्श के रूप में 80 महिला तथा पुरुष प्रशिक्षकों का चयन किया गया है तथा गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों से न्यादर्श के रूप में 320 महिला तथा पुरूष प्रशिक्षकों का चयन किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध उपकरण–प्रस्तुत शोध कार्य में शिक्षण दक्षता के लिये बी0के0 पासी एवं ललिथा की शिक्षण दक्षता उपकरण का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियाँ–प्रस्तुत शोध कार्य में प्रशिक्षको की शिक्षण दक्षता के अध्ययन के लिये मध्यमान, मानक विचलन व क्रांतिक अनुपात आदि का उपयोग किया गया हैं

आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना का परीक्षण सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर किया गया है जो इस प्रकार है–

परिकल्पना–1 अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नही है।

तालिका–1

अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	80	96.00	9.69	1.746	असार्थक	398
2.	गैर अनुदानित	320	94.25	7.55			

तालिका क्रमांक–1 से स्पट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=80) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=320) की शिक्षण दक्षता के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 96.00 व 94.25 एवं मानक विचलन क्रमशः 9.69 व 7.55 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 1.746 प्राप्त हुआ, जो मुक्तांश 3.98 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसे आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना–2 अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–2

अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	36	97.39	10.39	1.563	असार्थक	181
2.	गैर अनुदानित	147	94.88	8.16			

तालिका क्रमांक–2 से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=36) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=147) की शिक्षण दक्षता के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 97.39 व 94.88 एवं मानक विचलन क्रमशः 10.39 व 8.16 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 1.563 प्राप्त हुआ, जो मुक्तांश 181 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसे आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पना–3 अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–3

अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	44	95.59	9.49	1.328	असार्थक	215
2.	गैर अनुदानित	173	93.92	6.85			

तालिका क्रमांक–3 से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=44) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=173) की शिक्षण दक्षता के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 95.59 व 93.92 एवं मानक विचलन क्रमशः 9.49 व 6.85 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 1.328 प्राप्त हुआ, जो मुक्तांश 215 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसे आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

परिणाम एवं निष्कर्ष

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शैक्षिक निहितार्थ

वर्तमान समय में शिक्षकों के उचित शैक्षिक दक्षता का होना बहुत जरूरी है किन्तु एक शिक्षक ने शिक्षण दक्षता उचित प्रकार से तभी उत्पन्न हो सकती है। जब वह अपने व्यवसाय को लेकर उचित रूप से अभिप्रेरित हो क्योंकि यह अभिप्रेरणा ही उसके अन्दर उस मनोवृत्ति को उत्पन्न करती है। जिसके कारण वह अपने आपको नई योग्यताओं एवं कुशलताओं को अर्जित करने में संलिप्त रखता है। उचित शिक्षण दक्षता प्राप्ति के लिये शिक्षक का ज्ञान प्राथमिक स्तर तक सीमित न होकर सामाजिक मुद्दों एवं व्यक्तिगत समस्याओं से भी जुड़ा होना चाहिए। इसके साथ–साथ उसे मनोविज्ञान का व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिये और अपने व्यवसाय के प्रति उसका दृष्टिकोण सीमित न होकर व्यापक होना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

पुस्तकें–

टण्डन, उमा (2011) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, इलाहाबाद, आलोक प्रकाशन।

शर्मा, आर0ए0 (2009) अध्यापक शिक्षा, मेरठ : इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।

माथुर, एस0एस0 (2010) शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन।

राय, पारसनाथ (2009), अनुसंधान परिचय, आगरा : नवरंग आपसेट प्रिटर्स।

पाण्डेय, के0पी0 (2010) फंडामेण्टल्स ऑफ एजुकेशनल रिसर्च वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन।

गुप्ता, एस0पी0 (2007), सांख्यिकीय विधिया इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।

थीसिस एवं रिसर्च पेपर–

सिंह, जयप्रकाश (2013), उ0 प्र0 के गैर अनुदानित महाहिवद्यालयों में कार्य कर रहे अध्यापकों की कार्य संतुष्टि एवं शिक्षण दक्षता में सम्बन्ध का अध्ययन।

अहमद, ए0एस0 (2015) डेवलपमेन्ट ऑफ एटीट्यूड टूवर्डस टीचिंग एमंग परसपेक्टिव टीचर ऑफ पंजाब, पाकिस्तान इन्टरनेशनल जनरल ऑफ करेन्ट रिसर्च एण्ड एकेडमिक रिव्यू, वाल्यूम 3(1) पृ0 101–1085 www.ibp.world

वर्मा आदिल (2018) शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण दक्षता का सहसम्बन्धात्मक अध्ययन। रिव्यू–यू0जी0 एप्रूव्ड जनरल नं0 48514, वैल्यूम–8 ISSN 2249-894X www.ibp.world

त्रिपाठी एवं खरे (2018) विद्यालयों में शिक्षकों की शिज्ञक्षण सक्षमता एवं प्रासंगिक दक्षताओं का अध्ययन सार; इन्टरनेशनल जनरल ऑफ क्रिएटिव, रिसर्च थाट्स (IICRT)ए ISSN : 2320-2882, Volume-6 www.ljcrt.org